भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3599

सोमवार, 10 अगस्त, 2026/19 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

केरल में मानसून पर्यटन को बढ़ावा

†3599. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने केरल में मानसून पर्यटन को एक विशिष्ट पर्यटन उत्पाद के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए कोई नीति अथवा कार्य-योजना तैयार की है;

(ख) गत पाँच वर्षों के दौरान उक्त राज्य में मानसून पर्यटन के लिए सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता, प्रचार-प्रसार हेतु सहयोग तथा अवसंरचना विकास का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को केरल राज्य सरकार से मानसून पर्यटन के विकास एवं प्रचार-प्रसार के संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उन पर क्या कार्रवाई की गई है;

(घ) क्या सरकार का विचार उक्त राज्य में मानसून पर्यटन परिपथों, वेलनेस पर्यटन, पश्चजल (बैकवाटर) पर्यटन तथा पारिस्थितिकी पर्यटन (ईको-टूरिज्म) स्थलों को किसी केंद्रीय पर्यटन योजना के अंतर्गत शामिल करने का है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) केरल को वैश्विक मानसून पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय विपणन अभियानों, बेहतर संपर्क सुविधा, सतत पर्यटन पहलों तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए या उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): केरल में मानसून पर्यटन के संवर्धन सहित पर्यटन का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं, जैसे स्वदेश दर्शन (एसडी), स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0), चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) - स्वदेश दर्शन के अंतर्गत एक पहल तथा तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) आदि के माध्यम से, देश में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने हेतु पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को, उनसे योजना-निर्देशों एवं सरकार के निर्देशों के अनुरूप परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति, निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन, वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में 'पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास' की पहल के तहत 'कोल्लम में अष्टमुडी जैव-विविधता एवं पारिस्थितिक मनोरंजन केंद्र' नामक परियोजना के लिए 59.71 करोड़ रुपये तथा 'सरगालय में मालाबार की सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक प्रवेश द्वार' नामक परियोजना के लिए 95.34 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है।

पिछले पाँच वर्षों के दौरान केरल राज्य में स्वदेश दर्शन 2.0 तथा चुनौती-आधारित गंतव्य विकास नामक योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं, जिसमें आरोग्य पर्यटन, बैकवाटर पर्यटन तथा पारिस्थितिकी पर्यटन गंतव्य शामिल हैं, का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

सतत एवं उत्तरदायी पर्यटन के विभिन्न पहलुओं को स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के दिशा-निर्देशों में समाहित किया गया है। इसके साथ-साथ, पर्यटन मंत्रालय ने "सतत पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति" भी तैयार की है।

पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों एवं पर्यटन उत्पादों का, जिनमें केरल में मानसून पर्यटन तथा सतत एवं उत्तरदायी पर्यटन पद्धतियाँ भी समाविष्ट हैं, संवर्धन करता है। मंत्रालय सोशल मीडिया, वेबसाइटों तथा मेलों एवं प्रदर्शिनियों में सहभागिता सहित विभिन्न माध्यमों द्वारा भी विभिन्न पर्यटन स्थलों का संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को स्वदेश दर्शन योजना के तहत निर्मित परिसंपत्तियों के सुदृढ़ संचालन एवं प्रबंधन को सुनिश्चित करने हेतु तथा सतत संचालन एवं अनुरक्षण के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत भागीदारों की सहभागिता की संभावनाओं की खोज करने हेतु नियमित रूप से प्रोत्साहित करता है। स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने परिसंपत्तियों के सुदृढ़ संचालन एवं प्रबंधन के लिए पर्यटन अनुभव विकास एवं प्रबंधन अभिकरण (टीईडीएमए) की अवधारणा प्रस्तुत की है। इसके साथ-साथ, मंत्रालय समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के साथ आयोजित समीक्षा बैठकों के माध्यम से अपनी वर्तमान में चल रही परियोजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी करता है।

*****

अनुबंध

श्री कोडिकुन्नील सुरेश द्वारा केरल में मानसून पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 10.08.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †3599 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

(i) केरल राज्य में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुभव/परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	2024-2025	अलाप्पुझा: ए ग्लोबल वॉटर वंडरलैंड	93.18
2.	2024-2025	मलमपुझा गार्डन और लीजर पार्क में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना	75.87
3.	2023-2024	कुमारकोम पक्षी अभयारण्य अनुभव	13.81

(ii) केरल राज्य में चुनौती आधारित गंतव्य विकास योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	**स्वीकृति वर्ष/श्रेणी**	**अनुभव/परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	2024-2025/ संस्कृति एवं विरासत	वर्कलाः वर्कला में दक्षिण काशी	25.00
2.	2024-2025/ आध्यात्मिक पर्यटन	थालास्सेरी: थालास्सेरी में आध्यात्मिक जुड़ाव	25.00

*****